हिमाचल प्रदेश केंद्रीयविश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

धौलाधार परिसर-1, , धर्मशाला, जिला-कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश – 176215

DHAULADHAR CAMPUS-1, DHARAMSHALA, DISTRICT KANGRA, HIMACHAL PRADESH –176215

Phone No. 01892-229574; Fax No. 01892-229331; E-mail: registrar.cuhp@gmail.com

प्रेस नोट

दिनांक-10.8.2022

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने रोपे 100 पौधे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 100 पौधे रोपे

धर्मशाला: हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय देहरा के राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने आजादी के अमृत महोत्सव के निमित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन सनोट में वन विभाग द्वारा निर्धारित स्थान पर किया गया| आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विभाग में किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजक डॉ. जगमीत बावा ने जानकारी दी कि विभाग 1 सप्ताह से परिसर में विभिन्न गतिविधियों व प्रतियोगिताओं का संचालन कर रहा है। यह गतिविधियां भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस अर्थात 15 अगस्त तक की जाएगी। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ज्योति रहीं| इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. विमल कुमार कश्यप, डॉ. अरुंधती शर्मा, विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारी, विश्वविद्यालय में अध्ययनरत राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है हायब्रिड वार: लेफ्टिनेंट जनरल कुलकर्णी

धर्मशाला: पिछले पचास सालों में भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति की है। भारत के प्रतिस्पर्धी देशों को भी अब लगने लगा है कि परम्परागत युद्ध में भारत को पराजित नहीं किया जा सकता। इसीलिए अब भारत को अस्थिर करने और उसके मनोबल को तोड़ने के लिए शत्रुदेश हायब्रिड वारफेयर का सहारा ले रहे है। इसलिए नए उभरते भारत के समक्ष हायब्रिड वार सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ये बातें प्रसिद्ध सैन्य-विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल संजय कुलकर्णी ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कश्मीर अध्ययन केन्द्र की तरफ से आयोजित व्याख्यान में बोलते हुए कहीं। वह 'स्वतंत्रता के बाद की सुरक्षा चुनौतियां और भविष्य के परिदृश्य' विषय पर बोल रहे थे।

सियाचीन ग्लेसियर को आधिपत्य में लेने के अभियान का नेतृत्व कर चुके लेफ्टिनेंट कुलकर्णी ने कहा कि हायब्रिड वार में सायबर, सूचना और अर्थव्यवस्था को हथियार बनाकर दुश्मन पर हमला किया जाता है। हायब्रिड वारफेयर के कारण किसी भी देश में भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है और व्यक्ति अपने ही देश की सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाने लगता है। इस स्थिति में देश अराजकता का शिकार हो जाता है और उसकी प्रगति बाधित हो जाती है।

उन्होंने कहा कि हायब्रिड वारफेयर में केवल सैनिक ही लड़ाई लड़ता। प्रत्येक नागरिक इस युद्ध में भाग लेता है। आजादी के अमृत के दौरान भारत के प्ररत्येक नागरिक को शपथ लेनी चाहिए कि वह अपनी भारतीय पहचान को सर्वोपरि रखे और पहचान के आपसी संघर्ष से बचे। यदि प्रत्येक नागरिक ऐसा करता है तो आजादी का अमृत महोत्सव मनाना सफल होगा।
इस ऑनलाइन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अध्यापकों और शोधार्थियों सहित कई गण्यमान लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कश्मीर अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. मलकीत सिंह ने दिया। कार्यकम का संयोजन कश्मीर अध्ययन केन्द्र के डॉ. जय प्रकाश सिंह और संचालन कश्मीर अध्ययन केन्द्र के शोधार्थी राजेश कुमार शर्मा ने की।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने लिया भाग

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के सप्त सिंधु परिसर देहरा में दृश्य कला विभाग की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य़ में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के क्रम में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो. नारायण सिंह राव, विभागाध्यक्ष डॉ. निरुपमा सिंह और प्रो. हर्षवर्धन ने प्रतिभागियों से वार्तालाप कर उन्हें प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में लगभग 20 छात्रों ने समूह के रूप में प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक राजनीतिक विज्ञान विभाग की डॉ. अरुंधति शर्मा, दृश्य कला विभाग के डॉ. वेद प्रकाश पालीवाल एवं राम्या ऐरी ने प्रतिभागियों को रंगोली की बारीकियों को बताया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से हम अपनी संस्कृतियों को बचा सकते हैं और उन्हें सबके बीच जागरूक कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता के समन्वयक मनीष कुमार गोंड और संयोजक के रूप में डॉ. निरूपमा सिंह रहीं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।

पूजा भारती

जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ)
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला